पेपर आना माना हमारी स्थिति का परिपक्व बनना

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

ब्रह्मचर्य में इतना बल है, शुद्ध आहार और संयम तथा नियम में। जब हमारा जीवन ऐसा हो, कोई चिंता नहीं, कोई फिक्र नहीं, कोई डर नहीं। तो हमारी एनर्जी कहाँ जायेगी। वह इतनी जबरदस्त एनर्जी होती है, हिम्मत ऐसी होती है कि हाथी भी आये तो उसको उठाके फेंक दूंगा। उस समय उत्साह-उमंग होता है कि मैं यह कर सकता हूँ। कमाल है बाबा की।

आप जानते हैं कि जब कोई व्यक्ति किसी व्याधि के अधीन होता है तो उसको कई प्रकार से टाइम मिल जाता है। कई टचिंग्स भी होती हैं। मैंने कई सन्त-महात्माओं की जीवन कहानी पढ़ी थी, क्राइस्ट की भी पढ़ी, औरों की भी पढ़ी। सबके साथ लगभग ऐसा ही हुआ। अभी इस ज़माने में कलियुग के अन्त में भी जो अच्छे-अच्छे लोग मैंने देखे, उनके जीवन में भी कष्ट आये। तो यह सब कर्मों की गति से होता है। इसके अतिरिक्त कोई और राज़ भी हैं, जो अनुभव साधारणतया हम नहीं कर पाते हैं, मैंने खुद इस दफा वह कई अनुभव किये हैं जो बहुत उत्तम प्रकार के, श्रेष्ठ प्रकार के अनुभव थे। जिनकी मुझे इच्छा थी। मैं पहले करता था लेकिन इतना दीर्घकाल के लिये दो-अढ़ाई घंटे तक वह अनुभव जारी रहे, वैसा नहीं किया था। काफी टाइम किया था लेकिन इतना नहीं, वह अनुभव मुझे हुआ। उस अनुभव से हमारी जो आध्यात्मिकता है, नैतिकता है, हमारी जो अनुभूति का स्तर है, जो नये-नये अनुभव हमने पहले नहीं किये थे, वह अनुभव होते हैं।

दूसरा मैंने ये देखा, हम सब सुबह से शाम तक बिजी रहते हैं। इतना दुनिया वाले भी बिजी नहीं हैं, हम लोग उनसे ज़्यादा बिजी रहते हैं। सेवा में रहते हैं। अगर कोई सेवा में बिजी नहीं रहते तो उनके मन में कई बातें चलती हैं। मनुष्यों के बारे में, व्यक्तियों के बारे में और परिस्थितियों के बारे में, वृत्तांतों के बारे में सोचते रहते हैं, मन कोई खाली तो होता नहीं। कोई ऐसा समय जीवन में हो जब भगवान के अतिरिक्त कोई और याद न हो। जिसको बाबा कहते हैं- 'एक मैं दूसरा न कोई'। वह दीर्घकाल के लिए अनुभव हो कि हम और वह हैं और कोई नहीं। बीमारी के सदके अगर ऐसे अनुभव बाबा हमें कराता है तो आप क्या चाहेंगे, क्या सोचेंगे? कि यह बीमारी तो हमारे लिए एक गुप्त रूप से ब्लैसिंग लेके आयी, एक प्रकार से हमारे लिए वरदान हो गया। तो यह सिर्फ कर्मों की गति की बात नहीं है।

दो रात को ऐसा हुआ कि बिल्कुल नींद नहीं आयी। मैं वैसे भी जीवन में बहुत कम सोया हूँ। ब्रह्मचर्य में इतना बल है, शुद्ध आहार और संयम तथा नियम में। जब हमारा जीवन ऐसा हो, कोई चिंता नहीं, कोई फिक्र नहीं, कोई डर नहीं। तो हमारी एनर्जी कहाँ जायेगी। वह इतनी जबरदस्त एनर्जी होती है, हिम्मत ऐसी होती है कि हाथी भी आये तो उसको उठाके फेंक दूंगा। उस समय उत्साह-उमंग होता है कि मैं यह कर सकता हूँ। इतना अन्दर में स्टेमिना, एनर्जी होती है। तो जागता रहा हूँ लेकिन यह जागना और तरह का है। कुछ दवाइयां ऐसी दी होंगी या पता नहीं काफी एलर्ट हो गया, कोई नींद नहीं आयी। और जब नींद नहीं आयी, एक दिन तो रात को मैं कोशिश करता रहा सो जाऊं। एक दिन तो मैं नींद का पुरूषार्थ करता रहा। दूसरे दिन मैंने कोई कोशिश नहीं की, बाबा की याद में रहने की कोशिश की। मैं इस समय का सदुपयोग करूं और मैंने देखा सुबह को भी मुझे कोई ऐसी थकावट, कोई ऐसी मुश्किलात नहीं थी, ऐसा लगता था - मैं एलर्ट हूँ, जागती ज्योत हूँ।

डॉ. लोग पूछते थे कि रात को नींद आयी? तो उनको मैं बताता था कि नींद तो आयी ही नहीं, मैंने समझा यह जो बाबा कहते हैं 8 घंटे योग में रहो, हम कहते हैं टाइम नहीं है। बाबा कहते हैं बच्चे रात को कुछ टाइम निकालो, व्यक्तिगत पुरूषार्थ करो। मैं तुम्हारे से अपॉइंटमेंट करके अलग से तुम्हारे से बातचीत करूंगा, वरदान दूंगा हम उसके तरफ ध्यान देते नहीं। तो मैंने सोचा मेरा ध्यान गया कि खामखां हम लोग सोचते हैं कि इतने घंटे तो ज़रूर सोना है, नहीं सोयेंगे तो आलस्य आयेगा। तो अच्छा अनुभव रहा।

कहने का भाव यह है कि हम लोगों के जो अनुभव हैं, उसमें ऐसा कोई नहीं कह सकता कि बाबा ने मुझे छोड़ दिया, कभी नहीं, कभी नहीं, एक मिसाल भी अभी तक मैंने सुनी नहीं। जिन्होंने शरीर छोड़ा है, जो हमारी पुरानी बहनें हैं, दादियां हैं। बाबा ने कितनी मदद की है। खुशी से मुस्कुराते हुए शरीर छोड़ा है। तो यह जो आखिरी टेस्ट है, निश्चय का और देही अभिमानी स्थिति का, यह आता है। बाबा ने कहा है कि परीक्षा के टेस्ट पेपर बनते हैं, उसके प्रश्न आउट नहीं होते। आउट हो जायें तो कहते हैं, पेपर आउट हो गया, यह इम्तहान दुबारा होना चाहिए लेकिन बाबा कहते हैं कि मैं इसके दो प्रश्न, एक प्रश्न तो पहले से ही आउट कर देता हूँ जो शुरू से अंत तक यह प्रश्न आयेगा कि आप आत्मा के स्वरूप में स्थित हो कि नहीं? शुरू से लेकर अन्त तक यह टेस्ट तो आपका चलता रहेगा। यह हमारे ज्ञान की परिपक्वता है। हमारी स्थिति का अचल होना है।

वाराणसी-उ.प्र.। हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सुरेंद्र दीदी। साथ हैं ब्र.कु. राधिका, ब्र.कु. तापोशी, ब्र.कु. सोनी, ब्र.कु. विपिन, काशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो. रामनारायण द्विवेदी व अन्य।

देवबंद-उ.प्र.। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माननीय मंत्री कुंवर बृजेश सिंह के आवास पर जाकर उन्हें पौधा भेंट करते हुए ब्र.कु. पारुल बहन तथा अन्य।

नई दिल्ली-मोहम्मदपुर। श्रीपद येस्सो नायक,राज्य मंत्री,विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय को शुभकामनायें देने के पश्चात् उनके साथ उपस्थित हैं ब्र.कु. फलक बहन, ब्र.कु. निशा बहन एवं ब्र.कु. सुरेश भाई।

ओआरसी-गुरूग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ के भोराकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, भोराकलां की जिला पार्षद अंजू शर्मा, सोलापुर महाराष्ट्र से ब्र.कु. सोम प्रभा बहन, पटौदी बीपीओ ब्लॉक से पंकज डागर, बृजपुरा के सरपंच कारण सिंह एवं अशोक शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर ओआरसी की ओर से चार माह के लिए विशेष कल्प तरुह अभियान का भी शुभारंभ किया गया।

जापान। ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी के आठ दिवसीय जापान यात्रा के दौरान ब्रह्माकुमारीज़ के कोबे सेवाकेंद्र पर ब्र.कु. भाई-बहनों के लिए मातृ दिवस सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसके साथ ही 'एंशिएंट विज़डम फॉर द प्रेज़ेंट टाइम विद इंडियन सोशल सोसाइटी' विषय पर आयोजित पब्लिक प्रोग्राम को राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी ने सम्बोधित किया। कार्यक्रमों के दौरान स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की ब्र.कु. रजनी बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे।

जयपुर-राजापार्क(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम एवं त्रिदिवसीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए डॉ. माया टंडन,सामाजिक कार्यों के लिए पद्मश्री पुरस्कार-2024, अध्यक्ष सहायता मनीष संचेती,सी.ई.ओ. सहायता फाउंडेशन, राजयोगिनी ब्र.कु. पूनम दीदी,जयपुर सबज़ोन इंचार्ज, ब्र.कु. पूजा दीदी तथा अन्य ब्र.कु. बहनें।

नेपाल-काठमाण्डू। ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग सेवाकेंद्र काठमाण्डू एवं संस्थान के मुख्यालय माउण्ट आबू के मीडिया प्रभाग के संयुक्त तत्वाधान में विश्व शान्ति भवन में पत्रकार एवं जन संचार कर्मियों के लिए 'सकारात्मक परिवर्तन के लिए जागरुक मीडिया' विषय पर एक दिवसीय मीडिया सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं पत्रकार महासंघ के पूर्व अध्यक्ष हरिहर विरही, ब्रह्माकुमारीज़ माउण्ट आबू से मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. ब्र.कु. शान्तनु भाई, श्रीमत एक्सप्रेस दैनिक,देहरादून के प्रधान सम्पादक डॉ. दीन दयाल मित्तल, त्रिभुवन विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और जन संचार विभाग के प्रमुख प्रबल राज पोखरेल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजक हैदराबाद से आईं ब्र.कु. सरला आनंद, नागरिक जनशक्ति नेपाल के अध्यक्ष एवं घटना विचार साप्ताहिक पत्रिका के प्रधान सम्पादक देव प्रकाश त्रिपाठी, रेडियो नेपाल के उप निर्देशक खगेन्द्र खत्री, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग दिल्ली ज़ोन की संयोजक ब्र.कु. सुनीता दीदी, समारोह की अध्यक्ष एवं ब्रह्माकुमारीज़ नेपाल की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी, ब्र.कु. राम सिंह, ब्र.कु. किरण दीदी व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों सहित बड़ी संख्या में मीडिया जगत से जुड़े लोग मौजूद रहे।

श्रीलंका। भंडारनाईके मेमोरियल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस हॉल में इंडो श्रीलंका इकोनॉमिक्स समिति ने ब्रह्माकुमारीज़ बिज़नेस विंग के दिल्ली ज़ोनल कोऑर्डिनेटर डॉ. ब्र.कु. सुरेंद्र गोयल को कोलंबो के सामुदायिक सदस्य के रूप में शामिल किया। इसके साथ ही डॉ. प्रेमनाथ सी डोलावट्टे और श्रीलंका के सार्क कल्चरल सेंटर के डिप्टी निदेशक डॉ. बिना गांधी के द्वारा डॉ. ब्र.कु. सुरेंद्र गोयल को 'ग्लोबल आइकॉन' से सम्मानित किया गया।

कुरुक्षेत्र-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रोफेसर डॉ. देवेंद्र खुराना,प्रिंसिपल,श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय,कुरुक्षेत्र को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. सरोज बहन।

तिनसुकिया-असम। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर न्यू तिनसुकिया रेलवे स्टेशन पर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरुक करने के लिए आयोजित नशा मुक्ति प्रदर्शनी का रिबन काटकर शुभारंभ करते हुए के.सिंगसन,डेज़िग्नेशन एडीआरएम। साथ हैं स्टेशन मैनेजर, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. रजनी बहन, ब्र.कु. राकेश, ब्र.कु. लीला, ब्र.कु. विनोद व अन्य।